भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3869 का उत्तर

उत्तर-पूर्व में स्टेशनों के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

3869. श्री तापिर गाव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(ख) क्या सरकार ने उत्तर-पूर्व में स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि हां, तो उक्त योजना के अंतर्गत कितने स्टेशनों को शामिल किया गया है;

(घ) इन स्टेशनों से रेलवे में यात्रियों को किस प्रकार बेहतर अनुभव मिलेगा;

(ङ) उक्त क्षेत्र में स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए किए गए बजटीय आबंटन का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या उक्त योजना उत्तर-पूर्व के साथ बेहतर संपर्क स्थापित कर पाएगी और इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म पर शेल्टर लगाना, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाऊंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है। रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन से क्षेत्र में पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से 60 स्टेशन पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:-

पूर्वोत्तर क्षेत्र में चिह्नित किए गए अमृत स्टेशनों के नाम
अगरतला, अमगुरी, अरुणाचल, चापरमुख, धर्मानगर, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, दीमापुर, दीफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जं., गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाईगांव हॉल्ट, गुवाहाटी, हैबरगांव, हरमुती, होजई, इंफाल, जागीरोड, जोरहाट टाउन, कामाख्या, कोकराझार, कुमारघाट, लंका, लेडो, लमडिंग, मजबत, मकुम जंक्शन, माघेंरिटा, मरियानी, मेहंदीपाथर, मुरकोंगसोलेक, नाहरलागुन (ईटानगर), नाहरकटिया, नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू बोंगाईगांव, न्यू हाफलोंग, न्यू करीमगंज, न्यू तिनसुकिया, नॉर्थ लखीमपुर, पाठशाला, रंगापाड़ा नॉर्थ, रंगिया जंक्शन, रांगपो, सैरंग (आइजोल), सरुपत्थर, शिवसागर टाउन, सिलपाथर, सिल्चर, शिमलगुड़ी, टंगला, तिनसुकिया, उदयपुर, उदलगुरी, विश्वनाथ चरियाली

पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित 60 अमृत स्टेशनों में से, 55 स्टेशनों के लिए विकास कार्यों की निविदाएं प्रदान कर दी गयी हैं और कार्य शुरू कर दिए गए हैं। परियोजनाओं ने निष्पादन की उचित गति प्रदर्शित की है। उदाहरण के लिए,

- इम्फाल स्टेशन पर मुख्य स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और चार-दीवारी, कार्यालय, प्लेटफार्म रिटेनिंग वॉल, परिचलन क्षेत्र आदि का निर्माण कार्यों को शुरू कर दिया गया है।
- धर्मनगर स्टेशन पर अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म की सतह में सुधार, चार-दीवारी का निर्माण, प्रवेश मार्ग को चौड़ा करना और बुकिंग काउंटरों का कार्य पूरा हो चुका है और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार आदि कार्यों को शुरू कर दिया गया है।
- हैबरगांव स्टेशन पर, नए सेवा भवन, पार्किंग और प्रवेश-निकास द्वार का संरचनात्मक कार्य पूरा किया जा चुका हैं और मौजूदा स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पहुंच मार्ग, पे एडं यूज शौचालय, पोर्च का निर्माण आदि के सुधार का कार्य शुरू किया गया हैं।
- गौरीपुर स्टेशन पर स्टेशन भवन और प्रतीक्षालय कक्ष का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है तथा परिचलन क्षेत्र, पैदल पार पुल आदि के सुधार कार्यों को शुरू किया गया है।
- होजाई स्टेशन पर मौजूदा स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग, नए सेवा भवन का निर्माण, पे एंड यूज शौचालय, पोर्च, प्रवेश-निकास द्वार, चार-दीवारी आदि के सुधार का कार्य शुरू किया गया है।
- लंका स्टेशन पर नए सेवा भवन के निर्माण, पे एंड यूज शौचालय, प्रवेश पोर्च, प्रवेश-निकास द्वार, पैदल पैर पुल, चार-दीवारी, मौजूदा स्टेशन भवन में सुधार, प्लेटफार्म शेल्टर, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग आदि के निर्माण कार्यों को शुरू किया गया है।
- फकीराग्राम स्टेशन पर प्लेटफार्म शेल्टर, पहुंच मार्ग तथा नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य को पूरा कर लिया गया है तथा नए पैदल पार पुल का निर्माण, परिचलन क्षेत्र में सुधार आदि कार्यों को शुरू किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ व उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों और यात्रियों के लिए सुविधाओं का विकास/उन्नयन निरन्तर और सतत् प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं, जो परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन है। कार्यों की स्वीकृति देने और निष्पादित करते समय सुविधाओं के प्रावधान/उन्नयन के लिए निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्त पोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 “यात्री सुविधाएं” के तहत आबंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार/क्षेत्र-वार। पूर्वोत्तर क्षेत्र पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा कवर किया जाता है। इस जोन के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 530 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

*****